campaign will also endeavour to educate the people about the new Technology Extension scheme of the Board and about the appropriate technologies from other institutions in the country.

लोक अभियान तथा ग्रामीण प्रौद्योगिकी समुन्नति (केपार्ट) द्वारा बिहार की स्वैच्छिक संस्थाओं के लिए धनराशि जारी किया जाना

4016. **श्री रामदेव भंडारी** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार के मधुबनी जिले में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं को लोक अभियान तथा ग्रामीण प्रौद्योगिकी समुन्नति (केपार्ट) द्वारा अभी तक कितनी धनराशि जारी की गई है ;

(ख) उन्हें जारी की गई धनराशियों का संस्था-वार, वर्ष-वार तथा योजना-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) उन संस्थाओं के नाम क्या हैं जिनके विरूद्ध निधियों का दुरुपयोग किये जाने संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई हैं ; और

(घ) सरकार द्वारा की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटेल) : (क) 31-3-1994 तक लोक कार्यक्रम तथा ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास परिषद (केपार्ट) ने बिहार के मधुबनी जिले में स्वयंसेवी संगठनों को 97,95,405 रुपए की राशि रिलीज की है ।

(ख) संस्थावार, वर्ष-वार और योजनावार रिलीज की गई राशि के ब्यौरे दर्शाने वाला विवरण अनुपत्र मे दिया गया है । [**देखिए** परिशिष्ट 170, अनुपत्र सं 78]

(ग) और (घ) सामाजिक विकास संगठन, ग्राम पुरी, पो० ओ० बेला वाया, मेधयुपुर, जिला मधुबनी के विरूद्ध निधियों के दुरुपयोग की एक शिकायत प्राप्त हुई थी । इसकी जांच कराई गई । जांच अधिकारी की रिपोर्ट से पता चला है कि स्वयंसेवी एजेंसी ने कार्यक्रम को ठीक प्रकार से कार्यान्वित किया है । इसलिए और कोई कार्रवाई नहीं की गई थी ।

मध्य प्रदेश में ग्रामीण तथा जनजातीय युवकों को स्वनियोजन हेतु प्रशिक्षण

4017. **श्री विलीप सिंह जूदेव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वनियोजन हेतु ग्रामीण तथा जनजातीय युवकों को प्रशिक्षण देने की योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य को मध्यप्रदेश में प्राप्त कर लिया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) वर्ष 1991-92, 1992-93, 1993-94 के दौरान तथा आज तक उक्त योजना के कार्यान्वियन के लिये कितनी धनराशि दी गई; और

(ङ) 1993-94 के वर्ष के लिये क्या लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा उसे कहां तक प्राप्त किया गया है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय के ग्रामीण विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री उत्तमभाई पटेल) : (क) से (ङ) ग्रामीण युवा स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम में यह व्यवस्था है कि प्रशिक्षित युवाओं में से कम से कम 50% युवा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के समुदायों के होने चाहिए।

वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के लिए ग्रामीण युवा स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मध्य प्रदेश में निर्धारित लक्ष्यों और उपलब्धियों के साथ-साथ युवा स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत योजना के कार्यान्वियन हेतु मुहैया कराई गई राशि के आवर्ती खर्चों की स्थिति संलग्न विवरण में दी गई है ।

विवरण

(रुपए लाख में)

वर्ष	लक्ष्य (प्रशिक्षित किए जाने वाले युवा)	उपलब्धि (प्रशिक्षित युवा)	प्रशिक्षित युवाओं में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की संख्या	रिलीज की गई केन्द्रीय सहायता (आवर्ती खर्च)
1	2	3	4	5
1991-92	33360	28921 (86.69%)	16747 (57.9%)	195.20
1992-93	22950	22156 (96.54%)	11999 (54.2%)	152.22
1993-94 (फरवरी 1994 तक)	44096	29624 (67.18%)	16285 (55.0%)	701.79

प्रशिक्षण के साथ ऋण संयकों को स्थापित करने में कठिनाइयां, कुछ जिलों में उचित प्रशिक्षण आधारभूत ढांचे का अभाव और प्रशिक्षण संख्या की तुलना में बेहतर गुणवत्ता पर बल दिया जाना कुछ ऐसे कारण है जिनकी वजह से उपलब्धि कम रही।

Drought-prone areas in Gujarat

4018. SHRI GOPALSINH G. SOLANKI : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) the details of the various drought-prone areas and schemes launched by Government in this regard in Gujarat, districtwise ;

(b) whether Government have conducted any survey to ascertain the reasons for which the crops are damaged every year in a particular district ;

(c) if so, the details thereof ; and

(d) the measures taken by Government in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) (SHRI RAMESHWAR THAKUR) : (a) A Statement showing details of districts/blocks, which have been identified as drought prone and are covered under the Drought Prone Areas Programme (DPAP) in Gujarat is enclosed, (*See* below).

(b) and (c) Although no regular survey is being conducted, two Task Forces on Drought Prone Areas Programme (DPAP) and Desert Development Programme (DDP) in their reports of 1973 and 1982 and the National Commission on Agriculture in their report of 1976 have indicated that low and erratic rainfall is the main reason for damage to crops in the drought prone areas.

(d) The DPAP is being implemented in the identified drought prone areas to minimise the adverse effects of drought on production of crops and livestock and productivity of land, water and human resources through integrated development of the natural resource base of the area. The activities undertaken seek to conserve, develop and harness the land, water and other natural resources including rainfall.

Statement

State	District	Blocks
GUJARAT	1. AHMEDABAD	1. DHANDHUKA 2. VIRAMGAM
	2. AMRELI	1. BABRA 2. DHARI 3. JATRABAD 4. KHAMBHA 5. KUNKAVAV 6. LATHI 7. LILIYA 8. RAJULA
	3. BHAVNAGAR	1. GADHDA 2. GARIADHAR 3. SAVARKUNDLA
	4. JAMNAGAR	1. KALYANPUR 2. DWARAKA
	5. KUTCH	1. ABDASA 2. ANJAR 3. BHACHAV 4. BHUJ 5. LAKHAPAT 6. NAKHATRAM 7. RAPAR
	6. PANCHMAHALS	1. DOHAD 2. GODHRA 3. JHALOD 4. LIMBHEDA 5. LUNAWADA 6. SANTRAMPUR 7. SHEHRA